

Roll No. ....

**91205-N**

**B. A. (Pass Course) 1st Semester  
Examination – December, 2022**

**SANSKRIT (ELECTIVE) w. e. f. 2012-13**

Time : Three Hours ]

[ Maximum Marks : 80

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस संबंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

सूचना: – सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए –  $2 \times 8 = 16$

(i) भवान् कस्यां कक्षायां पठति ?

(ii) भवतः ग्रामः कः ?

(iii) 'लघुपतनक' कौन था ?

(iv) चूड़ाकर्ण नामक सन्यासी कहाँ रहता था ?

(v) भानु शब्द का षष्ठी एकवचन का रूप क्या है ?

(vi) हस् धातु, लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन का रूप ?

(vii) 'नरेन्द्रः' का सन्धिविच्छेद कीजिए।

(viii) 'पुनारमते' का सन्धिविच्छेद कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं आठ प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए -

2 × 8 = 16

(i) भवतः नाम किम् ?

(ii) भवान् किं करोति ?

(iii) कुतः आगच्छति ?

(iv) अन्यः कः विशेषः ?

(v) अद्य भवतः कार्यक्रमः कः ?

(vi) भवान् विवाहितः किम् ?

(vii) भवतः पिता कुत्र कार्यं करोति ?

(viii) भवतः वयः कियत् ?

(ix) पुनः अस्माकं मेलनम् कदा ?

(x) भवन्तः कति सहोदराः ?

(xi) अयं मार्गः कुत्र गच्छति ?

(xii) भवतः वर्गशिक्षकः कः ?

3. (क) किन्हीं तीन का सरलार्थ लिखिए - 4 × 3 = 12

(i) काव्य-शास्त्र-विनोदेवन कालो गच्छति धीमताम्।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।।

- (ii) गताऽनुगतिको लोकः कुहनीमुयदेशिनीम्।  
प्रमाणयति नो धर्मे यथा गोघ्नमपि द्विजम्॥
- (iii) सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः।  
अतीत्य हि गुणान् सर्वान् स्वभावो मूर्ध्नि वर्तते॥
- (iv) ईर्ष्या घृणी त्वसंतुष्टः क्रोधनो नित्यशंकितः।  
परभाग्योपजीवी न षडेते दुःखभागिनः॥
- (v) माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम्।  
कार्यकारणतश्चान्ये भवन्ति हितबुद्ध्यः॥
- (vi) भक्ष्यभक्षकयोः प्रीतिर्विपत्तेरेव कारणम्।  
शृगालात्पाशबद्धोऽसौ मृगः काकेन रक्षितः॥

(ख) मृग-शृगाल कथा *अथवा* चित्रग्रीव-हिरण्यक कथा का सार लिखिए। 4

4. (क) किन्हीं दो शब्दों के सम्पूर्ण रूप लिखिए -  $4 \times 2 = 8$   
कवि, भानु, पितृ, मति, धेनु, वारि

(ख) किन्हीं दो धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए -  $4 \times 2 = 8$   
पठ् (लुट्), गम् (विधिलिङ्), हन् (लोट्), नृत् (लृट्)

5. (क) दीर्घ सन्धि *अथवा* अयादि सन्धि की सोदाहरण परिभाषा बताइए। 6

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच में सन्धिच्छेद कीजिए -

2 × 5 = 10

विद्यालयः, नागेशः, यद्यपि, अन्वयः, विधूदयः, वागर्थः, पुनारमते,  
तरुच्छाया।